21 January
FRIDAY

Date:- 09.02.2022
B.A. part - I
Subject - History
Dr Deepak Kumar Rajak
S.R.A.P. College

Q क्या इतिहास दोहराता है।

आर इतिहास अपने आप को दोहराता है पहले एक त्रासदी की तरह दूसरा एक प्रहसन की तरह (नाटक) (कार्ल मार्क्स)

- लुईस नेपोलियन III (Take over)

हिगेल - ने लिखा फिलॉसफी ऑफ हिस्ट्री।
उसमें उसने लिखा कि इतिहास में कोई घटना दो बार होती है और व्यक्तित्व भी दुहराई जा सकती है घटना भी दुहराया जा सकता है

- बाद में कार्ल मार्क्स ने उसको विस्तार किया
- 1852 में कार्ल मार्क्स ने एक Article लिखा था जब लुई नेपोलियन III जो बोनापार्टवादी दल का नेता और नेपोलियन का भतीजा था 1848 में दूसरे गणतंत्र को समाप्त करके चूँकि पहले गणतंत्र को नेपोलियन बोनापार्ट ने समाप्त किया था।

फ्रांस की क्रांति हुई तो फ्रांस को रिपब्लिक स्थापित किया गया था लेकिन नेपोलियन बोनापार्ट एक मिलिट्री कमाण्डर के रूप में आया, फिर उसने वह Govt को toppel कर दिया फिर वह सत्ता अपने हाथों में ले ली। कुछ समय तक वह नाटक खेलता है प्रजातंत्र या रिपब्लिक का। बाद में उसने स्पष्ट रूप से एक Monarchy को stablish कर दिया।

बड़े नाटोजटर के बाद 1848 कि क्रांति के बाद दूसरी बार फ्रांस में गणतंत्र स्थापित हुआ। पहला जो प्रेसिडेन्ट का चुनाव

January 22 SATURDAY

हुआ उसने नेपोलियन बोनापार्ट का भतीजा लुईस नेपोलियन III उसका प्रेसिडेन्ट बना और बर्ष के अन्दर ही उसने प्रेसिडेन्ट के पद से खिसका सम्राट घोषित कर लिया और उस गणतंत्र को समाप्त कर दिया।

त्रासदी के तरह कैसे- क्योंकि जिस समय नेपोलियन फ्रांस को take over कर रहा था तो उसी चालाकी से कर रहा था कि भोले people समझ नहीं पा रहे थे कि उन्होंने लग रहा था कि वह क्रांति को serve कर रहा है बड़ी चालाकी से क्रांति की सेवा के नाम पर क्रांति का शिशु कहा और बड़ी चालाकी से क्रांति को नष्ट कर दिया।

फिर इस घटना कि कुछ साल के बाद पुनरावृत्ति हुआ। फिर भी लोग इस घटना से सबक नहीं लिया और कुछ लोगों ने जान-बूझ कर Allow किया और जब गणतंत्र बना तो वह समाजवाद की दिशा में बढ़ रहा था यह बात फ्रांस के मध्यवर्ग को पची नहीं। उसने लुईस नेपोलियन III के हाथ को मजबूत किया। और उसने उसको take over करने में सहायता की।

23 Sunday

(ii) यही नेपोलियन बोनापार्ट ने रूस के शासक जार एलेक्जेण्डर I के समय मास्को अभियान किया था जबकि यू० में ब्रिटेन अविजित था इतना बड़ा Diversifying अभियान पर वह गया वहाँ पर क्या हुआ उसकी सेना लगभग नष्ट हो गई। वह लौटकर आया तो ब्रिटेन पहले से ही तैयारी करके रखा था

इसी भूल की पुनरावृत्ति 130 वर्षों के बाद हिटलर करता है मास्को अभियान से।

4.03.2022

BA(Hons)
Dr Deepak Kumar Rajak
Assistant professor (Guest)
S.R.A.P College

04 February FRIDAY

विश्व व्यवस्था

वेस्टफेलिया की संधि से युक्रेन संकट तक

From the Treaty of Westphalia of Ukraine Crisis

पुतीन :- अगर दुनिया इसमें हस्तक्षेप करेगी तो दुनिया वह खतरनाक दृश्य देखेगी जो पीछे उसने कभी नहीं देखा है

U.S.A :- को Nato का Expension नहीं करना चाहिए था (पुतीन को गुस्सा)

(चीन ट्रिक्स ग्रुप का विस्तार करेगा)

वेस्ट फेलिया की संधि (1648) - पूरा विश्व यूरोप केंद्रित था (सारे मुहरें यूरोप में खेले जाते थे)

→ 1618 - 1648 में युद्ध हुआ इसे तीस वर्षीय युद्ध कहा जाता है इससे पहले जो युद्ध होता था वह धर्म के नाम पर होता था जबकी तीस
→ वर्षीय युद्ध में धर्म के नाम पर जो ध्रुवीकरण होता था वह समाप्त हो गया। एक रोमन कैथोलिक देश होते हुए भी फ्रांस ने हाँ-हाँ हाथ कर लिया पवित्र रोमन साम्राज्य से। उसके against में खड़ा हो गया। फ्रांस का जो Ruller था उसका Dinestic Interest यानी वंशानुगत हित था वह चाहता था कि जो रोमन साम्राज्य जो हेबबर्ग वंश का है, अगर उसका Dicrease हो जाए वह अपमानित हो जाए या वह हार जाए तो यूरोप का सबसे प्रतिष्ठित वंश बूर्बो वंश होगा पहली बार देखा गया कि यूरोपीय राष्ट्रीय हित के आधार पर Polarizaton समुदाय उभर का आया धर्म वेस्ट फेलिया बंद हो गया। क्योंकि 1648 में जो वेस्ट फेलिया की संधि हुई तब तक पवित्र रोमन साम्राज्य की

DECEMBER 2021

Sun		5	12	19	26
Mon		6	13	20	27
Tue		7	14	21	28
Wed	1	8	15	22	29
Thu	2	9	16	23	30
Fri	3	10	17	24	31
Sat	4	11	18	25	

JANUARY 2022

Sun	30	2	9	16	23
Mon	31	3	10	17	24
Tue		4	11	18	25
Wed		5	12	19	26
Thu		6	13	20	27
Fri		7	14	21	28
Sat	1	8	15	22	29

व्यवहारिक रूप से विभाजित हो चुका था जर्मन राज्य स्वतंत्र हो गये थे। फ्रांस ब्रिटेन अलग-2 राष्ट्र को मान्यता मिली और एक निश्चित भौगोलिक सीमा खिंची गयी। राष्ट्र को परिभाषित किया गया कि एक खास क्षेत्र मे एक निश्चित भौगोलिक सीमा के अन्तर्गत उस राष्ट्र की सम्प्रभुता होगी। दूसरा राष्ट्र उसकी सम्प्रभुता का उल्लंघन नहीं कर सकता। अंतर्राष्ट्रीय कानून 'ह्यूगो' ग्रोशियस नामक एक scolar था उसने अंतर्राष्ट्रीय कानून बनाए।

→ Blance of power :- शक्ति संतुलन की अवधारणा ब्रिटेन

पवित्र रोमन साम्राज्य के जाने के बाद जो राष्ट्र आए वह सब लगभग बराबर शक्ति के थे हलांकि फ्रांस और कुछ राष्ट्र अपने आकार मे बड़े थे लेकिन अधिकतर यूरोपीय राज्य अपेक्षाकृत छोटे थे।

शेंजेन Agreement के अनुसार बीना वीजा के (लंदन को छोड़कर) अधिकांश देशों मे जा सकते है

B

एक नया Concept आया जिसको कहते है शक्ति संतुलन की अवधारणा Blance of power)

शक्ति संतुलन की अवधारणा यूरोपीय राजनीति की आधार बन गयी। उसका आधार यह था